Current Affairs Of The Day (1 August ,2019)

G-20 का 14वाँ शिखर सम्मेलन ओसाका में सम्पन्न

- विश्व की विकसित एवं प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के मंच G-20 का 14वाँ शिखर सम्मेलन ओसाका (जापान) में 28-29 जून, 2019 को सम्पन्न हुआ।
- यह पहला अवसर था जब इस सम्मेलन का आयोजन जापान में हुआ। इससे पूर्व 2018 में G-20 का पिछला (13वाँ) शिखर सम्मेलन अर्जेटीना में ब्यूनस आयर्स में नवम्बर-दिसम्बर 2018 में सम्पन्न हुआ।
- 29 June को सम्मेलन के समापन पर जारी ओसाका घोषणा-पत्र में निम्न प्रस्ताव रखे गये–
  - भ्रष्टाचार के गंभीर मामलों के अपराधियों व आर्थिक भगोड़ों को किसी अन्य देश में पनाह नहीं दी जाए तथा उनके द्वारा चोरी के धन को जब्त करने के मामले में भारत की मांग के प्रति सहमति व्यक्त की गई।
  - आर्थिक भगोड़ों के विरूद्ध त्वरित एवं ठोस कार्यवाही की मांग की गई।
  - वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए लगातार बढ़ रहे जोखिमों के परिपेक्ष्य में मुक्त एवं स्थिर व्यापार हेतु उत्तम वातावरण बनाने के लिए विश्व व्यापार संगठन (WTO) में सुधार की आवश्यकता।
  - मनीलॉड्रिंग तथा आतंकियों को की जा रही फंडिंग के मामलों पर अंकुश के लिए फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) को और मजबूत बनाने का आह्वन।

G-20 Summit in Osaka, Japan

- The 14th Summit of the Forum of the World's Developed and Major Emerging Economies was concluded on 28-29 June, 2019 in Osaka (Japan).
- This was the first time that the conference was organized in Japan. Before this, the last (13th) summit of G-20 was completed in November 2018 in Buenos Aires, Argentina in 2018.
- Osaka Declaration on the concluding of the conference on 29th June. The following proposals were made in the letter.
  - Criminals and financial fugitives of serious corruption cases should not be sheltered in any other country and they were agreed to demand India's demand for seizure of stolen money.
  - Demand for quick and concerted action against financial fugitives.
  - The need for improvement in the World Trade Organization (WTO) to create the best environment for free and stable trade in the context of the ever-increasing risks to the global economy.
  - Call to further strengthen the Financial Action Task Force (FATF) for curbing cases of funding for money laundering and intimidation.

SATYA GANGA IAS Academy

G-20 : संक्षिप्त परिचय

G-20 : विश्व की शीर्ष 20 अर्थव्यवस्थाओं का एक ऐसा समूह जिसमें विकसित एवं उभरती हुई अर्थव्यवस्था का रूप सामने आता है। विश्व की शीर्ष 20 अर्थव्यवस्थाएँ निम्न है–

1. अर्जेटीना	11. इटली
2. ऑस्ट्रेलिया	12. जापान
3. ब्राजील	13. मेक्सिको
4. कनाडा	14. रूस
5. चीन	15. सऊदी अरब
6. यूरोपियन संघ	16. दक्षिण अफ्रीका
7. फ्रांस	17. दक्षिण कोरिया
8. जर्मनी	18. तुर्की
9. भारत	19. ब्रिटेन
10. इंडोनेशिया	20. अमेरिका

G-20 की आवश्यकता :

- G-20 विश्व की प्रमुख विकसित एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक मंच है जिसका गठन मूलतः 1997 के एशियाई वित्तीय संकट के परिपेक्ष्य में 1999 में किया गया तथा इसे प्रभावी रूप 2008 में मिला।
- 2008 में ही G-20 की बैठकों का सिलसिला, वैश्विक आर्थिक संकट के बीच शुरू हुआ था।
- पहला G-20 शिखर सम्मेलन नवम्बर 2018 में वाशिंगटन (अमेरिका) में सम्पन्न हुआ तथा दूसरा अप्रैल, 2009 में लंदन (ब्रिटेन) एवं तीसरा सितम्बर, 2009 में पिट्सबर्ग (अमेरिका) में सम्पन्न हुआ।
- 2010 तक G-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन वर्ष में दो-दो बार किया जाता था परंतु मंदी की तीव्रता पर नियंत्रण के पश्चात् 2011 से वर्ष में एक-एक बार ही होने लगा।

G-20 Summit : A Short Introduction

G-20 : A group of the top 20 economies of the world, in which the form of developed and emerging economies emerges. The World's Top 20 Economies Are below :

1. Argentina	11. Italy
2. Australia	12. Japan
3. Brazil	13. Mexico
4. Canada	14. Russia
5. China	15. Saudi Arabia
6. European Union	16. South Africa
7. France	17. South Korea
8. Germany	18. Turkey
9. India	19. United Kingdom
10. Indonesia	20. United States

Why Needs G-20 :

- G-20 is a platform for the world's major developing and emerging economies, which was originally formed in 1999 in the context of the Asian Financial Crisis in 1999 and was effectively found in 2008.
- In 2008, the series of meetings of the G-20 was started between the global financial crisis.
- The first G-20 summit was held in Washington (USA) in November 2018 and second on April, 2009 in London (UK) and third is September, 2009 in Pittsburgh (United States).
- Until 2010, the G-20 Summit was organized in twice in a year. It was done twice but after the control of the recession the recession began in 2011 Only once.

- इसी श्रृंखला का 14वाँ शिखर सम्मलेन हाल ही में 28-29 जून, 2019 ओसाका (जापान) में सम्पन्न हुआ।

G-20 की शक्ति

- G-20 की शक्ति एवं सार्थकता आकलन इससे किया जा सकता है कि विश्व की दो-तिहाई जनसंख्या G-20 देशों में निवास करती है।
- वैश्विक सकल राष्ट्रीय उत्पाद के 85 प्रतिशत भाग का उत्पादन इन देशों द्वारा किया जाता है।
- वैश्विक व्यापार का 75 प्रतिशत इन देशों द्वारा ही सम्पन्न किया जाता है।
- G-20 का कोई स्थानीय सचिवालय व मुख्यालय नहीं है, सदस्य देशों में ही बारी-बारी से किसी देश में इसका शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाता है।
- आगामी शिखर सम्मेलन का मेजबान देश ही इस मंच के अध्यक्ष के रूप में जाना जाता है। इस दृष्टि से सऊदी अरब, जहाँ 2020 में शिखर सम्मेलन का आयोजन अब होना है, वर्तमान में G-20 का अध्यक्ष है।
- वर्ष 2022, जो भारत की स्वतंत्रता का 75वाँ वर्ष होगा में इस समूह का शिखर सम्मेलन भारत में होना है

- The 14th Summit of the same series was completed recently on June 28-29, 2019, in Osaka (Japan).

Power of G-20

- The power and significance assessment of G-20 can be done by it that two-thirds of the world's population reside in the G-20 countries.
- 85% of the global gross national product is produced by these countries.
- 75% of global trade is done by these countries.
- There is no local secretariat and headquarter of G-20, and it is organized in member countries only in its summit.
- The host country of the upcoming summit is known as the President of this forum. With this view, Saudi Arabia, where the summit in 2020 is to be held now, is currently the President of G-20.
- The summit of this group is to be held in India in the year 2022, which will be the 75th anniversary of India's independence.

SATYAGANGA IAS Academy